ShaneNabi.In

Best Sunni Islamic Website

(बेस्ट सुन्नी इस्लामिक वेबसाईट)

अल्लाह अल्लाह वो हुसैन मुस्तफा का नूर ऐ अऐन (हिन्दी नात लीरिक्स)

लिखा है (लेखक): मुबारक हुसैन मुबारक

सोशल नेटवरकस पर हमें फ़ॉलो करें:

https://youtube.com/@shanenabi

https://www.facebook.com/shanenabi.in

https://www.instagram.com/shanenabi.in

https://twitter.com/ShaneNabi_In

अधिक लीरिक्स और इस्लामी सामग्री के लिए कृपया हमारी वेबसाईट https://shanenabi.in पर जाये

यह लीरिक्स https://shanenabi.in से डाउनलोड/प्रिंट किया गया है

सहायता/अनुरोध के लिए support@shanenabi.in पर हमसे संपर्क करें

अल्लाह अल्लाह वो हुसैन मुस्तफा का नूर ऐ अरेन

सुए करबल हुआ जो रवाना,
वो है मौला अली का घराना

दिन के काफिले का वो सालार है,
घर का घर जो लूटाने को तय्यार है

लब पे कुरान है सर ज़ेरे तलवार है,
जन्नती नवजवानों का सरदार है

कितना आला है मकाम वो शहीदों का इमाम,
मालिके खुलद है जिसका नाना....

वो है मौला अली का घराना

अपने नाना का वादा निभाने चला,
जुल्म की आंधीयों को मिटाने चला

देके सर हाथ अपना बचाने चला,
चढ़ के नेजे पे कुरान सुनाने चला

कैसी होगी उसकी शान जिसके नाना है सुल्तान,
जिसकी हर एक अदा फ़ातेहाना....

वो है मौला अली का घराना

© ShaneNabi.In

ईद के दिन हुसैन और हसन ने कहा,
अम्मी जान आज हम दोनों पहनेगे क्या,
फातिमा रो पड़ी हुक्म रब का हुआ,
जोड़े जन्नत से लेके जिबरईल जा,
बागे जन्नत का है फूल वो नवासा ऐ रसूल,
कैसे पहनेगा का कपड़ा पुराना....

वो है मौला अली का घराना

लहलहाये न क्यूँ दिन का यह चमन,
इसको सींचे हुए है शाहे जुल्मनन,
फिर अली फातिमा और हुसैन ओ हसन,
वजह तखलिके आलम है यह पंजतन,
कितना आला है घरबार जिस पे दुनिया है निसार,
जिसके कदमों तले है ज़माना....

वो है मौला अली का घराना

© ShaneNabi.In